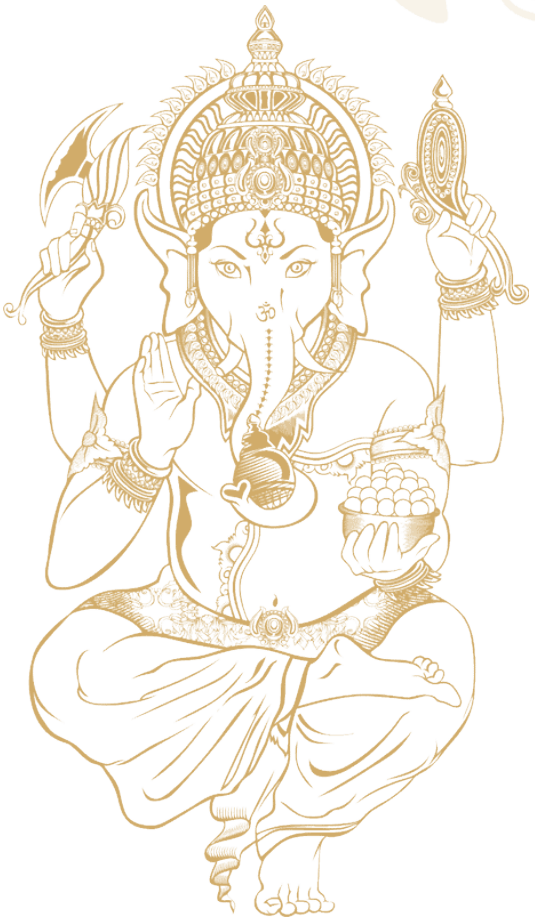

A

03 Feb 2026

01:50 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/02/2026**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:50:00 घंटे**
इष्ट	46:33:08 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:11:20 घंटे
वेलान्तर	-00:13:41 घंटे
साम्पातिक काल	10:03:29 घंटे
सूर्योदय	07:12:44 घंटे
सूर्यास्त	18:32:12 घंटे
दिनमान	11:19:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:46:31 मकर
लग्न के अंश	02:02:36 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:02:36	321:55:00	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मक	19:46:31	01:00:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	01:45:11	13:49:00	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	13:57:03	00:47:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	28:31:13	01:46:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:56:05	00:06:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:16:18	01:15:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:36:03	00:06:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:06	00:01:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:06	00:01:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:13	00:00:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:58:05	00:01:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:31:55	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	04:30:14	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

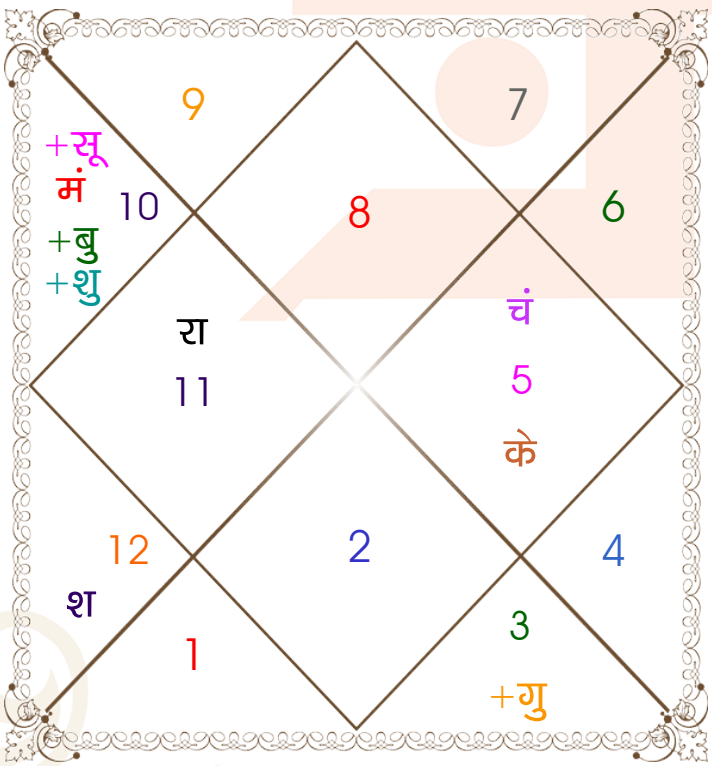

चन्द्र कुंडली

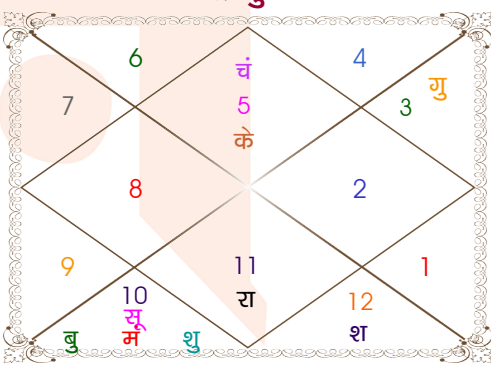

नवमांश कुंडली

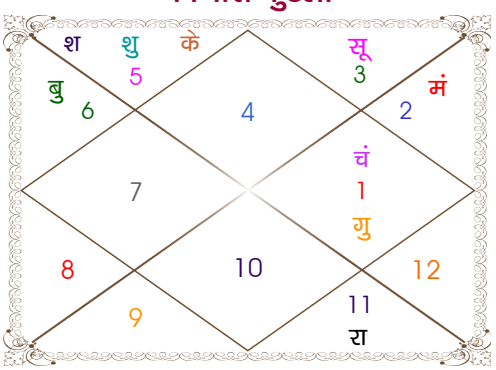

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/02/2026		03/03/2032		03/03/2052		04/03/2058		03/03/2068	
03/03/2032		03/03/2052		04/03/2058		03/03/2068		04/03/2075	
	03/02/2026	शुक्र	04/07/2035	सूर्य	21/06/2052	चंद्र	02/01/2059	मंगल	30/07/2068
शुक्र	30/09/2026	सूर्य	03/07/2036	चंद्र	20/12/2052	मंगल	03/08/2059	राहु	18/08/2069
सूर्य	05/02/2027	चंद्र	04/03/2038	मंगल	27/04/2053	राहु	01/02/2061	गुरु	25/07/2070
चंद्र	06/09/2027	मंगल	04/05/2039	राहु	22/03/2054	गुरु	03/06/2062	शनि	03/09/2071
मंगल	02/02/2028	राहु	04/05/2042	गुरु	08/01/2055	शनि	02/01/2064	बुध	30/08/2072
राहु	19/02/2029	गुरु	02/01/2045	शनि	21/12/2055	बुध	03/06/2065	केतु	26/01/2073
गुरु	26/01/2030	शनि	03/03/2048	बुध	27/10/2056	केतु	02/01/2066	शुक्र	28/03/2074
शनि	07/03/2031	बुध	02/01/2051	केतु	03/03/2057	शुक्र	03/09/2067	सूर्य	03/08/2074
बुध	03/03/2032	केतु	03/03/2052	शुक्र	04/03/2058	सूर्य	03/03/2068	चंद्र	04/03/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/03/2075		03/03/2093		04/03/2109		04/03/2128		04/03/2145	
03/03/2093		04/03/2109		04/03/2128		04/03/2145		00/00/0000	
राहु	14/11/2077	गुरु	22/04/2095	शनि	07/03/2112	बुध	01/08/2130	केतु	01/08/2145
गुरु	09/04/2080	शनि	02/11/2097	बुध	15/11/2114	केतु	29/07/2131	शुक्र	04/02/2146
शनि	14/02/2083	बुध	08/02/2100	केतु	25/12/2115	शुक्र	29/05/2134		00/00/0000
बुध	02/09/2085	केतु	15/01/2101	शुक्र	24/02/2119	सूर्य	04/04/2135		00/00/0000
केतु	21/09/2086	शुक्र	16/09/2103	सूर्य	06/02/2120	चंद्र	03/09/2136		00/00/0000
शुक्र	20/09/2089	सूर्य	04/07/2104	चंद्र	06/09/2121	मंगल	31/08/2137		00/00/0000
सूर्य	15/08/2090	चंद्र	03/11/2105	मंगल	16/10/2122	राहु	19/03/2140		00/00/0000
चंद्र	14/02/2092	मंगल	10/10/2106	राहु	22/08/2125	गुरु	25/06/2142		00/00/0000
मंगल	03/03/2093	राहु	04/03/2109	गुरु	04/03/2128	शनि	04/03/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।